नीति शोध सलाहकार समिति की

13वीं

बैठक का एजेण्डा

NIEPA DC
D12324

379.23
NEE UP

LIBRARY & DOCUMENTATION CENTRE
National Institute of Educational
Planning and Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
DOC, No .. D-12324
Date 05-04-2004

नीति शोध सलाहकार समिति की तेरहवीं (13वीं) बैठक का एजेण्डा

एजेण्डा बिन्दु	विषय	पृष्ठ
1.	नीति शोध सलाहकार समिति की गत बैठक दिनांक 17.9.2001 की कार्यवृत्त की पुष्टि	1-6
2.	गत बैठक में प्राप्त निर्देशों की अनुपालन आख्या का प्रस्तुतीकरण	7-10
3.	शोध अध्ययनों के अनुमोदन हेतु शोध शीषर्क	11
4.	शोध अध्ययनों के अनुमोदन हेतु शोध प्रस्ताव	12
5.	अन्य बिन्दु अध्यक्ष की सहमति से	
	परिशिष्ट 'क'	13
	परिशिष्ट 'ख'	14
	परिशिष्ट 'ग'	15
	परिशिष्ट 'घ'	16

एजेण्डा बिन्दु -1

'उ.प्र. सभी के लिए शिक्षा परियोजना परिषद'
की नीति शोध सलाहकार समिति की
(बारहवीं) बैठक दिनांक 17.9.2001
का कार्यवृत्त

उ.प्र. सभी के लिए शिक्षा परियोजना परिषद की नीति शोध सलाहकार समिति की (बारहवीं) बैठक दिनांक 17.9.2001 को उ.प्र. सभी के लिए शिक्षा परियोजना परिषद कार्यालय के समिति कक्ष में सम्पन्न हुई । उक्त बैठक की अध्यक्षता नीति शोध सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रमुख सचिव (शिक्षा) ने की । बैठक में निम्नांकित अधिकारियों/सदस्यों ने प्रतिभाग किया :-

1.	श्रीमती नीरा यादव, प्रमुख सचिव (शिक्षा), लखनऊ	-	अध्यक्ष
2.	सुश्री वृंदा सरूप, राज्य परियोजना निदेशक, लखनऊ	-	सदस्य
3.	सुश्री कल्पना अवस्थी, अपर परियोजना निदेशक, लखनऊ	-	सदस्य
4.	श्री संजय मोहन, निदेशक (बेसिक शिक्षा), लखनऊ	-	सदस्य
5.	श्री शरदिन्दु, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., उ.प्र.	-	सदस्य
6.	श्री कृष्ण मोहन त्रिपाठी, निदेशक, सीमैट, इलाहाबाद	-	सदस्य
7.	श्री अजीत कुमार सिन्हा, वित्त नियंत्रक, रा.प.का.,लखनऊ	-	नामित सदस्य
8.	श्री अब्दुल मोबीन, नियोजन विभाग, उ.प्र. शासन, लखनऊ	-	नामित सदस्य
9.	श्री ए.बी.एल. श्रीवास्तव, मुख्य सलाहकार एडसिल, नई दिल्ली	-	विशेष आमंत्रित सदस्य
10.	प्रो. श्रीकृष्ण झा, निदेशक, गाँधीयन इन्स्टीट्यूट, वाराणसी	-	सदस्य
11.	श्री जी.पी. मिश्रा, निदेशक, गिरी इन्स्टीट्यूट आफ डेवलपमेंट स्टडीज, लखनऊ	-	सदस्य
12.	श्री शिव कुमार गुप्ता, सेवानिवृत्त एन.सी.ई.आर.टी., फील्ड आफीसर, उ.प्र., लखनऊ	-	सदस्य
13.	श्री आर.पी.शर्मा, वरिष्ठ विशेषज्ञ, शोध एवं मूल्यांकन, रा.प.का., लखनऊ	-	सदस्य सचिव

बैठक में निदेशक, सीमैट ने समस्त उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए अध्यक्ष की अनुमति से समिति के समक्ष एजेण्डा बिन्दु प्रस्तुत किए । बैठक के लिए निर्धारित एजेण्डा बिन्दु पर विस्तृत विचार विमर्श के उपरान्त निम्नलिखित निर्णय लिए गये :-

एजेण्डा बिन्दु-1

नीति शोध सलाहकार समिति की ग्यारहवीं बैठक दिनांक 3 मई 2000 के कार्यवृत्त की सर्वसम्मति से पुष्टि की गयी ।

एजेण्डा बिन्दु-2

नीति शोध सलाहकार समिति की ग्यारहवीं बैठक में लिए गये निर्णयों के अनुपालन की आख्या से समिति अवगत हुई । इस बिन्दु पर निम्नवत् निर्णय लिए गये :-

1. भविष्य में जो भी शोध अध्ययन कराये जायँ उनके M.O.U पर यह स्पष्ट उल्लिखित होना चाहिए कि अध्ययन उद्देश्यों के अनुरूप न होने पर शोधकर्ता से व्यय की गयी धनराशि वापस वसूल कर ली जायेगी ।
2. प्रत्येक शोध पर एक प्रोजेक्ट कोआर्डिनेटर नियुक्त किया जाय जो कि शोध के हर स्तर पर उसका अनुश्रवण करता रहे ।
3. यह निर्णय लिया गया कि "A Study of Classroom Process in DPEP-II Districts" पर शोध अध्ययन एस.सी.ई.आर.टी., उ.प्र. द्वारा कराया जाय और उसके उद्देश्य तथा अभिकल्प वही रखे जायँ जो एस.सी.ई.आर.टी., उ.प्र.द्वारा कराये गये इसी प्रकार के पूर्व अध्ययन में निश्चित किये गये थे ।
4. गत वर्ष सीमैट द्वारा कराए गये शोध अध्ययनों से समिति अवगत हुई । अवगत कराया गया कि A Feedback Study of Teacher Training Input in DPEP-II in U.P. की ड्राफ्ट रिपोर्ट प्राप्त हो गयी है । अन्तिम रिपोर्ट हेतु सभी शोधकर्ताओं की बैठक 5 अक्टूबर 2001 को निर्धारित है ।
5. यह निर्णय लिया गया कि यू.पी.बी.ई.पी. शोध अध्ययन - "District Base Sample Study on Enrolment, Dropout and Transition Rates in Class I-V" की समेकित अन्तिम रिपोर्ट की प्राप्ति के बाद श्री के.के.बिसवाल, नई दिल्ली, श्री एम.सी.वर्मा, नई दिल्ली तथा प्रो. ए.बी.एल. श्रीवास्तव, नई दिल्ली को अवशेष देय धनराशि का भुगतान सर्वशिक्षा अभियान की मद से कर दिया जाय । यह निर्णय इस दृष्टि से किया गया कि यह अध्ययन सर्वशिक्षा अभियान के लिए भी उपयोगी होगा ।

एजेण्डा बिन्दु-3

कोड संख्या 2 एवं 3 के अन्तर्गत नीति शोध सलाहकार समिति ने निम्नलिखित 3 शोध अध्ययनों को अनुमोदित किया :-

1. Evaluation Study of Model Clusters Development Approach in U.P. DPEP-II Distt. - प्रस्ताव के अनुसार 4 शोधकर्ताओं से शोध अध्ययन कराने हेतु रू.2,20,000/- का बजट स्वीकृत किया गया ।
2. Evaluation Study of Early Childhood Care Education (ECCE), U.P. DPEP-II - प्रस्ताव के अनुसार 4 शोधकर्ताओं से शोध अध्ययन कराने हेतु रू.2,20,000/- का बजट स्वीकृत किया गया।
3. Evaluation Study of Alternative Schooling in DPEP-II in U.P. - प्रस्ताव के अनुसार 4 शोधकर्ताओं से शोध अध्ययन कराने हेतु रू.2,70,000/- का बजट स्वीकृत किया गया ।

एजेण्डा बिन्दु-4

वर्ष 2001-2002 में डी.पी.ई.पी.- II एवं III के अन्तर्गत किए जाने वाले शोध अध्ययनों के विषय पर शोध करने के लिए समाचार पत्रों में दिए गए विज्ञापन के सापेक्ष 84 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनमें से विशेषज्ञों की समिति द्वारा स्क्रीनिंग के उपरान्त 22 प्रस्ताव सीमेट की शोध सलाहकार समिति द्वारा नीति शोध सलाहकार समिति की 12वीं बैठक में अनुमोदनार्थ रखे गये । इन विषयों पर गहन विचार-विमर्श के पश्चात निम्नलिखित कोड पर उनके सम्मुख उल्लिखित शोधकर्ता का चयन किया गया ।

Code-1 : Enrolment, Retention and Dropout

(i) A Study of Enrolment, Dropout and Completion Rate in Primary Schools of DPEP Districts - इस शोध को समिति ने प्रो. सच्चिदानंद, सुलभ इन्स्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, पटना द्वारा सोनभद्र एवं देवरिया जनपदों में कराए जाने का अनुमोदन किया । उक्त शोध हेतु रू.1,29,800/- का बजट निर्धारित किया गया ।

(ii) A Study of the Role of Family, Community and School Factors in Improving Enrolment, Retention and Achievement of Disadvantaged Children - इस शोध को समिति ने प्रो. सच्चिदानंद, सुलभ इन्स्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, पटना द्वारा बस्ती एवं सिद्धार्थनगर जनपदों में कराए जाने का अनुमोदन किया । उक्त शोध हेतु रू.1,29,800/- का बजट निर्धारित किया गया ।

Code-4 : Educational Support System

(i) A Study on Assessment of Various Academic Needs of BRC/NPRC Coordinators for Better Performance - इस शोध को समिति ने डा. सुरेश कुलकर्णी, सेन्टर फार मीडिया स्टडीज, रिसर्च हाउस, कम्यूनिटी सेन्टर, साकेत, नई दिल्ली-110017 से बदायूँ एवं ललितपुर जनपदों में कराने की अनुमति प्रदान की । उक्त शोध हेतु रू.1,50,700/- का बजट निर्धारित किया गया ।

(ii) A Study of Effectiveness of Educational Support Given By BRC/NPRC & DIET - इस शोध को समिति ने डा. पी.एस. गारिया, गिरी इन्स्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, लखनऊ को हरदोई एवं पीलीभीत जनपदों में कराने की अनुमति प्रदान की । उक्त शोध हेतु रू.1,17,700/- का बजट निर्धारित किया गया।

Code-5 : Teacher Training/Assessment

(i) A Study of Role Perception of Lady Teachers in Parishad Schools (Primary and Upper Primary) - इस शोध शीर्षक को समिति द्वारा बदलकर नया शीर्षक **"A Study of Perceptions of the Performance of Lady Teachers' in Parishad Schools (Primary & Upper Primary)** कर दिया गया । यह अध्ययन डा. रीना अग्रवाल, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, लखनऊ युनिवर्सिटी, लखनऊ को दिया

गया । इस शोध हेतु रू.1,21,800/- का बजट निर्धारित किया गया। साथ में यह अपेक्षित है कि इस अध्ययन हेतु अन्वेषक महिला और पुरुष दोनों ही रखे जाँय। यह भी सुनिश्चित किया जाय कि - 1. अभिभावकों pupils, male and female teachers, supervisory staff and community का प्रत्यक्षीकरण क्या अपेक्षित है और क्या वास्तविक है । 2. प्राइमरी व अपर प्राइमरी पर अलग-अलग रिपोर्ट आये तथा किन कारकों पर प्रत्यक्षीकरण प्राइमरी और अपर प्राईमरी स्तर पर भिन्न है ? स्त्री अध्यापकों के प्रति बने हुए पूर्वाग्रह कहाँ तक सही/गलत हैं ? इसका उद्देश्य उन कमियों को पहचानना है, जिन्हें हम प्रशिक्षण कार्यक्रमों में समायोजित करके स्थिति को सुधार सकते हैं ।

Code-5 : Teacher Training/Assessment

(ii) Availability of Radio Sets with Primary Parishadiya Rural Teachers and Their Radio Listening Habits - इस शोध को समिति ने प्रो. पी.के.साहू, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद को देवरिया एवं मिर्जापुर जनपदों में कराने की अनुमति प्रदान की। उक्त शोध हेतु रू.1,44,000/- का बजट निर्धारित किया गया । इस अध्ययन में यह भी अपेक्षित है कि यह स्पष्ट किया जाय कि अध्यापकों के पास रेडियो व्यक्तिगत हैं या सरकार द्वारा प्रदान किये गये हैं । कितने अध्यापक, कितने समय तक तथा किन-किन कार्यक्रमों को सुनते हैं ? अध्ययन का एक लक्ष्य है कि Distance education के माध्यम से रेडियो कार्यक्रम अध्यापक प्रशिक्षण हेतु कैसे और किस समय निर्धारित किये जा सकते हैं।

Code-6 : Incentive Schemes

Impact of Free Text Books Distribution on Girls, S.C. Children, Enrolment and Retention and Teacher/Parental Satisfaction - इस शोध शीर्षक के स्थान पर **A Study of Free Distribution of Text Books, Enrolment, Retention and Parental Satisfaction of Socially Deprived Children** - संशोधित किया गया तथा यह अध्ययन श्री मयंक श्रीवास्तव, बेटी फाउन्डेशन, बी-85, सेक्टर-सी, महानगर, लखनऊ-04 को रामपुर तथा एटा जनपदों में कराने का निर्देश दिया गया । उक्त शोध हेतु रू.1,17,975/- का बजट निर्धारित किया गया ।

Code-7 : EMIS & Micro Planning

A Study of EMIS Data & Micro Planning Data in Convergence of Information by an Independent Agency in 2-3 Districts of DPEP-II to Estimate Out-of-School Children in Particular - इस शोध को समिति ने डा. इमरान सलीम, टी.जी. सोसायटी, लखनऊ को रामपुर एवं बाराबंकी जनपदों में कराने की अनुमति प्रदान की । इस शोध हेतु रू.1,83,000/- का बजट निर्धारित किया गया । यह भी अपेक्षित है कि इस शोध द्वारा ई.एम.आई.एस. एवं माइक्रोप्लानिंग से प्राप्त आंकड़ों के बीच तुलनात्मक अध्ययन लिखित उद्देश्यों के अतिरिक्त जोड़ा जाय ।

<u>Code-8</u> : **Disabled/Disadvantaged Children**

(i) A Study of Disabled Children's Problmes in Primary Schools Perception of Teachers and Parents - इस शोध को समिति ने डा. आर.ए.जोसेफ, विकलांग समाकलन संस्थान, हनुमानधाम कालोनी, करौंधी, बी.एच.यू., वाराणसी को [illegible] जनपद में कराने की अनुमति प्रदान की । इस शोध हेतु रू.1,28,000/- का बजट निर्धारित किया गया ।

<u>Code-8</u> : **Disabled/Disadvantaged Children**

(ii) A Study of Primary Education/Competency Development of Children in the Centres of Alternative Schooling in Child Labour Dominated Areas (Firozabad and Moradabad Districts) including Study of Attitudinal Change in the Guardian of Children of These Centres and its Impact on Their Economic Status. - इस शोध को समिति ने डा. जयपाल सिंह 'व्यस्त', व्यस्त समविकास समिति, मुरादाबाद को फिरोजाबाद एवं मरादाबाद जनपदों में कराने की अनुमति प्रदान की । इस शोध हेतु रू.1,17,000/- का बजट निर्धारित किया गया ।

<u>Code-9</u> : **Community Participation**

(xxii) To Study Community's Perception of its own role in Qualitative Improvement in the Functioning of Primary Schools - इस शोध को समिति ने डा. देवेन्द्र कुमार, रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट इनिशिएटिव प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली को शाहजहाँपुर एवं ज्योतिबाफलेनगर जनपदों में कराने की अनुमति प्रदान की । इस शोध हेतु रू.1,47,000/- का बजट निर्धारित किया गया ।

अनुपूरक एजेण्डा

एस.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रस्तुत शोध अध्ययन प्रस्तावों पर निम्नवत् निर्णय लिया गया :-

1. A Study of Classroom Processes in DPEP-II Districts एवं 2. A Study of Teacher Competencies in Primary Schools of UP DPEP-II Districts दोनों शोध प्रकरण समेकित कर लिए जायँ । इन दोनों शोध अध्ययनों के लिए (रू.9.22+2.54) रू.11.76 लाख का बजट निर्धारित किया गया । (अतिरिक्त धनराशि teacher competency के tool development व printing cost हेतु) ।

2. Cohort Study in DPEP-III Districts में यह निर्णय लिया गया कि अध्ययन में कम से कम एक जिला डी.पी.ई.पी.-2 का लिया जाय । इस प्रकार कुल 33 जनपदों का क्षेत्र निश्चित किया गया । विषय का अध्ययन व्यापक स्तर पर किया जाय । इस शोध हेतु 15.50 लाख रूपये के बजट की व्यवस्था निर्धारित की गयी । (रू050,000/- डी.पी.ई.पी.-II के एक अतिरिक्त जनपद हेतु) ।

इन बिन्दुओं के अतिरिक्त नीति शोध सलाहकार समिति ने निम्न विशिष्ट निर्देश दिए :-

1. सीमैट की आन्तरिक शोध सलाहकार समिति में 10 विशेषज्ञों का एक पैनल बनाया जाय जिसमें राष्ट्र स्तर के विद्वान/शोधकर्ता हों । सीमैट की शोध सलाहकार समिति की प्रत्येक बैठक में कम से कम 2 सदस्य राज्य के बाहर के (उक्त पैनल के सदस्य) अवश्य उपस्थित हों । आवश्यकतानुसार उन्हें अधिक मानदेय तथा वायुयान यात्रा किराया भी दिया जा सकता है । इस समिति द्वारा प्रथमतः स्क्रीनिंग की जाय ।

2. शोध अध्ययन का शीर्षक चयन वैज्ञानिक रीति से किया जाय । प्राइमरी एवं अपर प्राइमरी दोनो स्तरों पर ऐसे प्रकरणों की पहचान करायी जाय जो हमारी आवश्यकताओं से सीधा संबंध रखते हों। यह कार्य वैज्ञानिक, वस्तुनिष्ठ एवं विधि आधारित तंत्र के अन्तर्गत होना चाहिए । समिति के सभी सदस्यों से अनुरोध किया गया है कि दो माह के अन्दर अध्ययन हेतु शीर्षक व उपयुक्त शोधकर्ताओं के नाम अवश्य राज्य परियोजना निदेशक, लखनऊ व निदेशक, सीमैट को भेज दें। नीति शोध सलाहकार समिति द्वारा शोध शीर्षकों पर विचार कर अन्तिम रूप दिया जाएगा।

3. समिति ने यह भी सुझाव दिया कि नीति शोध सलाहकार समिति की बैठकों की बारम्बारता (frequency) अधिक हो । शोध पूर्ण होने पर सीमैट द्वारा अनुश्रवण सुनिश्चित किया जाय कि हम उनका अधिक से अधिक उपयोग किस प्रकार कर सकते हैं तथा सुझाव दें कि शोध परिणामों का नीति एवं नियोजन में उपयोग किस प्रकार किया जा सकता है ।

4. नीति शोध सलाहकार समिति ने यह भी निर्देश दिया कि गत तीन वर्षों में सीमैट द्वारा कराए गए शोध अध्ययनों के परिणामों तथा उनके उपयोग की स्थिति 31 दिसम्बर 2001 तक प्रमुख सचिव (शिक्षा) को प्रेषित की जाय । भविष्य के लिए प्रत्येक वर्ष में 30 अप्रैल तक सीमैट द्वारा किये गये शोध व उनके उपयोग के सम्बन्ध में टिप्पणी प्रमुख सचिव, शिक्षा को नियमित रूप से प्रेषित हो ।

बैठक अध्यक्ष तथा अन्य उपस्थित अधिकारियों/सदस्यों के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव के उपरान्त समाप्त हुई ।

नीतिशोध सलाहकार सीमित की 12 वीं बैठक दिनांक 17.9.2001 के कार्यवृत्ति की अनुपालन आख्या

प्रदत्त निर्देश	कृत कार्यवाही
एजेण्डा बिन्दु-2	
2.1 समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि भविष्य में शोध अध्ययन कराये जाने हेतु एम.ओ.यू. पर यह उल्लेख हो कि यदि अध्ययन उद्देश्यों के अनुरूप नही होगा तो शोधकर्ता से धनराशि वापस कर ली जायेगी ।	निर्देशानुसार नये शोध अध्ययनों के शोध कर्ताओं द्वारा हस्ताक्षरित एम.ओ.यू में यह बिन्दु सम्मिलित कर लिया गया है । *(परिशिष्ट-क)*
2.2 वर्तमान में होने वाले प्रत्येक शोध अध्ययन पर एक कोआर्डिनेटर नियुक्त किये जाने का समिति द्वारा निर्णय लिया गया	डी.पी.ई.पी. के अन्तर्गत होने वाले 14 शोध अध्ययनों पर प्रत्येक अध्ययन की प्रगति का अनुश्रवण करने के लिए एक कोआर्डिनेटर नियुक्त किया गया । *(परिशिष्ट-ख)*
2.3 समिति ने निर्णय लिया गया कि A study of class room process in DPEP- II District पर शोध अध्ययन एस.सी.ई.आर.टी. उ.प्र. द्वारा पूर्व अभिकल्प उद्देश्यों के आधार पर कराया जाये	SCERT द्वारा यह अध्ययन किया जा रहा हे
2.4 डी.पी.ई.पी. शोध अध्ययन "A feedback study of teacher training inputs in DPEP-II की अंतिम रिपोर्ट के लिये लखनऊ में बैठक 5 अक्टूबर, 2001 को निर्धारित की गयी थी	शोध अध्ययन की अंतिम रिपोर्ट निर्धारित बैठक के बाद प्राप्त हो गयी जो परियोजना कार्यालय को भेजी जा चुकी है ।
2.5 समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि यूँ.पी.बी.ई.पी. शोध अध्ययन District Base Sample Study On Enrolment Dropout And Transition Rate In Class 1 to 5 .की समेकित अंतिम रिपोर्ट की प्राप्ति के बाद शोध कर्ताओं को अवशेष देय धनराशि का भुगतान सर्वशिक्षा अभियान के मद से कर दिया जाय ।	शोध अध्ययन की समेकित अंतिम रिपोर्ट की प्राप्ति के बाद श्री एम.सी.वर्मा तथा प्रो. एल.बी. श्रीवास्तव को अवशेष धनराशि भेजी जा चुकी है ।डा. विस्वाल का भुगतान उनके द्वारा व्यय विवरण भेजने के बाद किया जायेगा ।
एजेण्डा बिन्दु -3	
3.1 तीन शोध अध्ययनों	
1. Evaluation Study of Model Cluster Development Approach (MCDA) in UPDPEP-II Districts.	शोध अध्ययन की अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है।
2. Evaluation Study of Early Childhood Care Education (ECCE), UPDPEP-II	शोध अध्ययन की अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है।
3. Evaluation Study of Alternative Schooling in DPEP-II U.P. को अनुमोदित किया गया जिसका Ratification नीति शोध सलाहकार समिति की बैठक में किया गया ।	शोध अध्ययन की अंतिम रिपोर्ट प्रतीक्षितहै ।
एजेण्डा -4	
वर्ष 2001-2002 में डी.पी.ई.पी. के अंतर्गत कराये जाने वाले 14 शोध अध्ययनों को समिति ने अनुमोदित किया ।	

Code-I	शोध अध्ययन A Study of Enrolment, Dropout and Completion Rate In Primary Schools of DPEP Districts प्रो. सच्चिदानन्द, पटना का प्रस्ताव समिति ने स्वीकृति किया ।	समिति के निर्देशनुसार यह अध्ययन देवरिया तथा सोनभद्र में किया जा रहा है जिसकी ड्राफ्ट रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है ।
Code-II	शोध अध्ययन " A study of the Role of Family, Community and School Factors in Improving Enrolment, Retention, and Achievement of Disadvantaged Children. प्रो. सच्चिदानन्द नन्द, पटना द्वारा कराये जाने का निर्देश दिया गया ।	समिति के निर्देशनुसार यह अध्ययन बस्ती तथा सिद्धार्थनगर में किया जा रहा है, जिसकी ड्राफ्ट रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है ।
Code-4 (I)	" A study on Assessment of Various Academic Needs of BRC/NPRC Coordinators for Better Performance शोध अध्ययन के लिए डा. सुरेश कुलकर्णी, सेण्टर फॉर मीडिया स्टडीज दिल्ली को अनुमोदित किया गया ।	यह अध्ययन बदायूँ एवं ललितपुर जनपदों में कराया गया । दोने जनपदों के ऑकड़ों का संकलन तथा एनालसिस का कार्य कर पूर्ण कर लिया गया है । जिसकी आख्या प्रतीक्षितहै ।
(II)	A Study of Effectiveness of Educational Support Given by BRC/NPRC and DIET शोध अध्ययन डा. पी.एस. गारिया, गिरि इन्स्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, लखनऊ द्वारा कराये जाने का निर्णय लिया गया ।	यह अध्ययन पीलीभीत तथा हरदोई जनपदों में पर्ण कर लिया गया ड्राफ्ट रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है ।
Code-5 (I)	शोध अध्ययन "A study of Role Perception of Lady Teachers in Parishad Schools (Primary & Upper Primary)" के शीर्षक को बदलकर समिति ने मया शोध शीर्षक "A study of the Perceptions of the Performance of Lady Teachers in Parishad Schools (Primary & Upper Primary)" करते हुये डा. रीना अग्रवाल शिक्षा विभाग, लखनऊ युनिवर्सिटी, लखनऊ को करने के लिए अनुमोदित किया तथा ये भी सुनिश्चित करने को कहा गया कि अभिभावकों को Pupils, Male & Female Teachers, Supervisory Staff and Community का अपेक्षित तथा वास्तविक प्रत्यक्षीकरण क्या है ? प्राईमरी तथा अपर प्राईमरी का अलग-अलग रिपोर्ट देने तथा स्त्री अध्यापकों के प्रति बने हुय पूर्वाग्रह कहा तक सही/गलत है ?	समिति द्वारा दिये गये सुझावों के अनुसार शोध शीर्षक को बदलते हुए शोधकर्ता द्वारा यह अध्ययन उन्नाव जनपद में पूर्ण कर लिया मया है तथा Trend Report प्राप्त हो चुकी है Detailed Report अप्रैल के अंतिम सप्ताह तक भेजने के लिए आश्वासन दिया है ।

Code-5 (II)	शोध अध्ययन Availability of Radio Sets With Primary Parishadiya Rural Teachers and their Radio Listening Habits करने हेतु समिति ने प्रो. पी.के. साहू, इलाहाबाद वि.वि. इलाहाबाद द्वारा कराये जाने का निर्णय लिया इस अध्ययन से अपेक्षा की गयी थी कि शोधकर्ता यह स्पष्ट करे कि अध्यापकों के पास Radio व्यक्तिगत है या सरकार द्वारा दिया गया है ।	यह अध्ययन देवरिया तथा मिर्जापुर जनपदों में किया गया ड्रफ्ट रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है ।
Code -6	Impact of Free Text Books Distribution on Girls, SC Children, Enrolment & Retention & Teacher/Parental Satisfaction के शोध शीर्षक को परिवर्तित कर के नया शोध शीर्षक A study of free Distribution of Text Books, Enrolment, Retention and Parental Satisfaction of Socially Deprived Children कर दिया गया ।समिति ने बेटी फाउन्डेशन लखनऊ को यह अध्ययन रामपुर तथा एटा, में करने का निर्देश दिया ।	यह अध्ययन रामपुर तथा एटा जनपदों में किया गया Report Writing का कार्य प्रगति पर है तथा अप्रैल के अंतिम सप्ताह तक आख्या भेजने का आश्वासन शोधकर्ता ने दिया है ।
Code -7	A study of EMIS Data and Micro-Planning Data in Convergence of Information by and Independent Agency in 2-3 Districts of DPEP –II To Estimate Out of School Children in Particular इस अध्ययन को पूर्ण करने के लिए समिति ने डा. इमरान सलीम, टी.जी. सोसाइटी, लखनऊ को अनुमति प्रदान की ।	यह अध्ययन रामपुर तथा बाराबंकी में पूर्ण हो चुका है । शोधकर्ता ने ड्राफ्ट रिपोर्ट अप्रैल के अंतिम सप्ताह तक भेजने का आश्वासन दिया है ।
Code -8	डी.पी.ई.पी. शोध अध्ययन "A study of Disabled Children's Problems in Primary Schools – Perception of Teachers & Parents करने के लिए समिति ने डा. आर.ए. जोसेफ विकलांग समाकलन संस्थान, वाराणसी को करने का निर्देश दिया ।	समिति के निर्देशनुसार यह अध्ययन बरेली जनपद में पूर्ण हो चुका है । इसकी ड्राफ्ट रिपोर्ट उचित नहीं पाई गई । अतः शोधकर्ता से इसे संशोधित करने को कहा गया है । शोधकर्ता को अप्रैल के द्वितीय सप्ताह में रिपोर्ट Submission होने के निर्देश की दिए गए।
Code–8 (II)	शोध अध्ययन "A Study of Primary Education/Competency Development of Children in the centres of Alternative Schooling in Child Labour dominated areas (Firozabad and Moradabad Districts) including study of attitudinal change in the guardian of children of these centres and its impact on their economic status" के लिए समिति ने डा. जयपाल सिंह व्यस्त, व्यस्त समविकास समिति, मुरादाबाद को फिरोजाबाद तथा मुरादाबाद जनपदों में करने का निर्देश दिया ।	यह अध्ययन फिरोजाबाद तथा मुरादाबाद जनपदों में किया गया । इस अध्ययन की ड्राफ्ट रिपोर्ट में कुछ कमियों के कारण शोधकर्ता को इसे संशोधन हेतु वापस भेजी गयी थी । संशोधन के उपरान्त इस अध्ययन की अन्तिम आख्या प्राप्त हो चुकी है।

Code –9	शोध अध्ययन "To study Community's Perception of its Own Role in Qualitative Improvement in the Functioning of Primary Schools" को समिति ने डा. देवेन्द्र कुमार, रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट इनिशिएटिव, नई दिल्ली को करने का निर्देश दिया।	यह अध्ययन शाहजहॉपुर एवं ज्योतिबाफुलेनगर जनपदों में पूर्ण कर लिया गया है । प्रथम आख्या प्राप्त हो चुकी है अन्तिम आख्या प्रतीक्षित है ।
अनुपूरक एजेण्डा		
	1. एस.सी.ई.आर.टी., लखनऊ को शोध अध्ययनों (I) "A Study of Classroom Process in DPEP-II Distracts (II) A study of Teacher Competencies in Primary Schools of UP DPEP II Districts को समेकित करने का ओदश दिया । दोनो अध्ययनों की धनराशि (9.22+2.54) Lakh स्वीकृत की गई ।	एस.सी.ई.आर.टी., लखनऊ के स्तर पर कार्यवाई का सम्पादन हुआ है ।
	शोध अध्ययन Cohort study in DPEP III Districts अध्ययन के लिए डी.पी.ई.पी. II के एक जनपद तथा डी.पी.ई.पी. III के 32 जनपद कुल 33 जनपदों में करने हेतु निर्देश दिया गया । 15.50 लाख रूपये के बजट की व्यवस्था स्वीकृत की गई ।	एस.सी.ई.आर.टी. के स्तर पर कार्यवाही का सम्पादन हुआ है ।
अन्य बिन्दु		
1.	समिति ने निर्देश दिए कि सीमैट की आन्तरिक शोध सलाहकार समिति में 10 विशेषज्ञों का एक पैनल बनाया जाए जिसमें 2 सदस्य राज्य के बाहर के हो । यह समिमि शोध प्रस्तावों की प्रथमतः स्क्रीनिंग करेगी ।	निर्देशनुसार विशेषज्ञों का एक पैनल बनाया गया । (सूची संलग्न) जो शोध प्रस्तावों की प्रथम स्क्रीनिंग करेगी । *(परिशिष्ट-ग)*
2.	समिति ने सुझाव दिया कि शोध शीर्षकों का चयन वैज्ञानिक रीति सें किया जाए । नीति शोध सलाहकार समिति के सदस्यों से अनुरोध किया गया कि वे दो माह के अन्दर शोध शीर्षकों की सूची व उपयुक्त शोधकर्ताओं के नाम राज्य परियोजना निदेशक व निदेशक, सीमैट को भेज दें ।	अभी तक शीर्षक प्राप्त न होने के कारण एक रिमाईन्डर सभी सदस्यों को स्मरण कराया गया है। *(परिशिष्ट-घ)*
3.	समिति ने सुझाव दिया कि नीति शोध सलाहकार समिति की बारम्बारता अधिक हो तथा शोध परिणामों का प्रयोग नीति एवं नियोजन में किस प्रकार किया जाए इस पर विचार हो ।	निर्णय के अनुसार कार्यवाही की जा रही है ।
4.	समिति ने निर्देश दिए कि 31 दिसम्बर 2001 तक प्रमुख सचिव (शिक्षा) को गत तीन वर्षों में हुए शोध परिणामों की आख्या प्रेषित की जाए तथा भविष्य में 30 अप्रैल तक सीमैट में किये शोध अध्ययनों के परिणाम व उपयोग प्रमुख सचिव शिक्षा को नियमित रूप से प्रेषित किए जाए ।	निर्देश का पालन हुआ और सस्समय एक आख्या जिसमें तीन वर्ष के शोध अध्ययनों के परिणाम तथा उपयोगिता को दर्शाया गया था प्रमुख सचिव (शिक्षा) को भेज दी गई । 30 अप्रैल तक वर्ष 2002 में पूर्ण हुए शोध अध्ययनों के परिणाम तथा उन की उपयोगिता भी यथा समय प्रमुख सचिव (शिक्षा) को प्रेषित होगी ।

PROPOSED RESEARCHES
(2002-03)

1. Evaluation study of Para Teachers.
2. Evaluation study of Alternative Schooling.
3. Evaluation study of Early Childhood Centres.
4. Evaluation study of Teacher Training and Support System.
5. Evaluation study of VEC School Management.
6. नो-डिटेन्शन पॉलिसी तथा उसका बच्चों के शैक्षिक अधिगम पर प्रभाव
7. प्राथमिक विद्यालय से उच्च प्राथमिक विद्यालय में बच्चों ट्रजिक्शन रेट तथा मापन तथा परिषदीय अथवा मान्यता प्राप्त स्कूलों में ट्रजिक्शन की तुलनात्मक दर
8. डी.पी.ई.पी.-।। एवं ।।। जनपदों में बच्चों की उपस्थिति, दरें ।
9. परिषदीय विद्यालयों में प्रमोशन रेट का अध्ययन तथा उसमें जेण्डर एवं सोशन ग्रुप उपलब्धि को विशेषकर देखना ।
10. An enquiry into the effectiveness of different interventions in relattion to enrolment, retention and quality at primary level in DPEP-III.
11. A study of role perception of VEC members in relation to school efficiency in DPEP-III.
12. Community's participation in school functioning: Determinants and learning outcomes.
13. Readability assessment of primary level textbooks.
14. Family effects on enrolment, retention and student achievement.
15. School effectiveness, enrolment, retention and classroom process at primary level.
16. Evaluation of training programmes for Dy.BSAs/ABSAs.
17. Effectiveness of Master- trainers programme : An evaluation.
18. Impact of DPEP-II on enrolment, retention and quality at primary level.
19. "Sons and daughters : attitudes and issues affecting girls' educattion"
20. Reducing teacher absenteeism and attrition : causes, consequences and responses.
21. Questions of quality-Case Study of Sample Schools.
22. School attributes, household characteristics and demand for schooling : a case study of rural sector.
23. Effect of attitudes and attitude change upon school effectiveness.
24. Impact of support system upon teaching-learning climate.
25. A study of demand and supply for upper primary schools.
26. A study of alienation, competence, community's perception of teachers in retention to demand for education and students' achievement.
27. An assessment of the extent of utilization of training by teachers in DPEP-III districts.

एजेण्डा बिन्दु - 4 :

4.1 वर्ष 2002-03 के डी.पी.ई.पी. कार्ययोजना के अंतर्गत निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा संस्तुत निम्नांकित बिषयों पर शोध अध्ययन कराया जाना प्रस्तावित है।

1. Social acceptability of primary schools in comparison with other type of school functioning in the same area.
2. Relationship between enrolment and completion rate of primary schooling.

अध्ययन के महत्व को दृष्टिगत रखते हुए उक्त शोध अध्ययनों का अनुमोदन प्रस्तावित है ।

4.2 राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एस.सी.ई.आर.टी.), लखनऊ द्वारा डी.पी.ई.पी.-III जनपदों में शोध अध्ययन "Mid Term Assessment (MTA) in DPEP-III Districts" प्रस्तावित है जिसका बजट रू.366250 प्रति जनपद की दर से 32 जनपदों के लिए कुल रू. 1,17,20,000/- निर्धारित किया गया है । उपरोक्त अध्ययन के अनुमोदन हेतु समिति विचार करना चाहें ।

4.3 डॉ. कृष्णावतार पाण्डेय, सेवा निवृत्त, निदेशक, (बेसिक शिक्षा) द्वारा शोध अध्ययन 'Access of Adivasis to Educational Development in Districts of Sonbhadra and Mirzapur'. डी.पी.ई.पी. जनपदों में प्रस्तावित है । जिसका बजट रू.1.75 लाख है। यह अध्ययन 4-5 माह की अवधि में पूर्ण होगा । उपरोक्त अध्ययन के अनुमोदन हेतु समिति विचार करना चाहें ।

परिशिष्ट-क

Memorandum of Understanding

Between

The State Institute of Educational Management and Training (SIEMAT), Allahabad

and

...Sulabh Institute of Development Studies, Patna...

date of commencement of project shall be reckoned from the date of entering into the MOU by the earcher/Institution/Organisation and the SIEMAT.

grantee shall be accountable for the completion of the project within ......6 (six) months from the time of signing the MOU.

Researcher Organisation/Institution shall be liable to refund the entire amount of grant together with an interest at the rate of o per annum as damages thereon for any violation of the terms and condition mentioned in the guidelines/sanction letter from date of encashment of the cheque/Bank Draft of the first installment of the amount sanctioned for the approved research/study.

t the institution/organization/investigator will submit the report of the research after the expiry of ......6 (six)..... months od along with the raw-data under relevant heads, bound separately. The report will be expected to incorporate implication of finding for (a) improvement of primary education, (b) policy planning.

he study is not conducted as per research objectives, the amount paid for the purpose will be recovered from the earcher/Institution/Organisation.

findings should be in line with the predecided objectives of the study.

raft report of the study is to be submitted by the researcher to SIEMAT 15 days prior to submission of final report.

Researcher is required to submit 3 copies of final report along with 3 copies of summaries of report in about 2000-5000 ds.

the responsibility of the Principal Investigator and the Institute to provide to SIEMAT the audited statement of head wise nditure incurred together with utilisation certificate, for the entire amount of grant sanctioned and found to be in order.

monitoring of research projects will be done by SIEMAT as per norms.

Right, to publish the research study (whole or part) rests with the SIEMAT.

s memorandum of understanding is entered by ...Professor Sachchidananda... **with te Institute of Educational Management and Training (SIEMAT) on** ...15.10.2001... **in respect P research project entitled** A Study of Enrolment, Dropout and Completion te in Primary Schools of DPEP

financial assistance is sanctioned for the above research proposals is Rs. (In figures) 1,29,800/-

ds) One lakh, twenty nine thousand, eight hundred only

re ....

r / Authorised Officer
stitute of Educational
ment and Training (SIEMAT),
ad

Sr. Finance & Accounts
SIEMAT

Signature ...Sachchidananda...
(Principal Investigator)
Name : Prof. Sachchidananda
Address : Director, S.I.D.S.
Patna

कार्यालय - ज्ञाप

क : शो.मू./645/2001-02 दिनांक : 11-10-2001

-सभी के लिए शिक्षा परियोजना की नीति शोध सलाहकार समिति की 12वीं बैठक दिनांक 17.9.001 के एजेण्डा बिन्दु-2 में पारित व के अनुशीलन में निम्नांकित शोध अध्ययनों के सम्मुख अंकित शोधकर्ताओं के साथ समन्वयन आदि हेतु सीमैट के सम्बन्धित तयों कोआर्डिनेटर नामित किया जाता है। यह भी निर्देशित किया जाता है कि उक्त समिति के निर्देशानुसार र्य यथा समय सुनिश्चित करायें।

	Name of Coordinator
1 : of Enrolment Dropout and Completion Rate in Primary Schools of DPEP Districts	Mr. Amit Khanna HOD, MIS
udy of the Role of Family Community and School Factors in Improving Enrolment n and Achievement of Disadvantaged Children	Prof. P.C.Saxena Senior Consultant
2: on Study of Model Cluster Development Approaches in U.P. DPEP-II Districts.	Dr. Malvika Pandey Research Associate
3 : on Study of Early Childhood Care Education (ECCE) in U.P. DPEP II	Dr. Malvika Pandey Research Associate
4 : dy of Assessment of Various Academic Needs of BRC/NPRC Coordinators for better ance	Mrs. Subhashni Paliwal HOD Policy & Planning
udy of Effectiveness of Educational Support given by BRC/NPRC	Mrs. Subhashni Paliwal HOD Policy & Planning
5 : dy of Perception of the Performance of Lady Teachers in Parishad Schools (Primary and rimary)	Prof. P.C.Saxena Senior Consultant
lability of Radio Sets with Primary Parishdiya Rural Teachers and Their Radio Listening	Sri S.N.Rai Senior Consultant
6 : of Free Distribution of Textbooks, Enrolment, Retention and Parental Satisfaction of Deprived Children	Mr. M.M. Joshi HOD, Research Evaluation and Educational Innovation
7 : of EMIS Data and Micro Planning Data in Convergence of Information by an dent Agency in 2-3 Districts of DPEP to Estimate Our of School Children in Particular	Mr. Amit Khanna HOD, MIS
8 : dy of Disabled Children's Problems in Primary Schools-Perception of Teachers and	Mr. Pawan Sawant Lecturer, Educational Finance
udy of Primary Education/Competency development of Children in the Centers of ve Schooling in Child Labour Dominated Areas (Firozabad and Moradabad) Including Attitudinal Changes in the Guardians of Children of These Centres and its Impact on nomic Status	Dr. S.K. Singh Lecturer Policy and Planning
uation study of Alternative Schooling in DPEP II in U.P.	Dr. Santosh Chaturvedi Training Associate
r : udy Communities Perception of its Own Role in Qualitative Improvement in the ing of Primary Schools	Dr. Najma Saxena Research Officer

10.10.2001

(कृष्ण मोहन त्रिपाठी)
निदेशक
राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान
इलाहाबाद

/शो.मू./645/2001-2002 दिनांक 11 अक्टूबर 2001

पि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

सम्बन्धित कोआर्डिनेटर

नीति शोध सलाहकार समिति की 12वीं बैठक में लिये गये निर्णयों के अनुपालन हेतु एक बैठक निदेशक, सीमेट के कक्ष में आहूत की गयी जिसमें निदेशक, सीमेट, प्रो. पी.सी.सक्सेना, वरिष्ठ सलाहकार, सीमेट तथा डा. नजमा सक्सेना ने प्रतिभाग किया इस बैठक में सीमैट की शोध सलाहकार समिति के सदस्यों के चयन के विषय में वार्ता हुयी जिसमें 15 सदस्यों के नाम चिन्हित किये गये जिनका विवरण निम्नानुसार है :

Proposed List of SIEMAT Research Advisory Committee

1. Prof. R.C.Tripathi. Director. G B.Pant Institute. Jhusi. Allahabad
2. Prof. A.B.L Srivastava. Chief Consultant. EdCil. New Delhi
3. Dr. Shyam Menon. Delhi University. Delhi
4. Dr Neerja Shukla. NCERT New Delhi
5. Prof D.N. Sansalwal. Devi Ahilya University. Indore. M.P
6. Prof. Yash Agarwal. NIEPA. New Delhi
7. Prof. Harikesh Singh. Banaras Hindu University (BHU). Varanasi
8. Prof. K.S Misra. Dept of Education. Allahabad University. Alld
9. Prof. R.C Srivastava. 146. Sidharth Enclave. New Delhi
10. Prof. C.L. Sapra. M-146 Greater Kailas II. New Delhi-48
11. Dr Pramila Menon NIEPA. New Delhi
12. Dr. Usha Nair. Retd Professor NCERT New Delhi
13. Prof. S.S Srivastava. Indian Institute of Educational Research. Sarswat Kunj. Nirala Nagar. Lucknow
14. Dr. Prem Lata Srivastava. A.N.D College. Kanpur
15. Dr D.S. Srivastava. P G Degree College. Attara (Banda)

परिशिष्ट -प्प

कृष्ण मोहन त्रिपाठी

निदेशक,
राज्य शैक्षिक प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण
संस्थान (सीमैट), उ०प्र०, इलाहाबाद
अ०शा० पत्रांक : 1326..(1-5)
दिनांक : 01/04/2002......

प्रिय महोदय/महोदया,

उ.प्र. सभी के लिए शिक्षा परियोजना परिषद की शोध सलाहकार समिति की बैठक दिनांक 17.9.01 में यह अनुरोध किया गया है कि प्राथमिक शिक्षा के अंतर्गत डी.पी.ई.पी.-II एवं III के कार्यक्रमों तथा इनसे सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकों पर समस्याओं के निदान एवं निराकरण हेतु शोध शीर्षकों के प्रस्ताव राज्य परियोजना निदेशक तथा सीमैट को प्रेषित करने की कृपा करें । अभी तक इस प्रकार के शोध से सम्बन्धित विषय या शीर्षक प्राप्त नहीं हुए हैं । अतः अनुरोध है कि डी.पी.ई.पी. कार्यक्रमों के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षा तथा सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षा एवं उच्च प्राथमिक शिक्षा से सम्बन्धित विषयों पर शोध शीर्षकों के प्रस्ताव प्रेषित करने की कृपा करें ।

यह भी विशेष रूप से अनुरोध है कि उक्त शोध विषय के प्रस्ताव दिनांक 20.4.2002 तक भिजवाने की कृपा करें ।

भवदीय

(कृष्ण मोहन त्रिपाठी)

o/c

डा लक्ष्मी प्रसाद पाण्डेय
निदेशक
वैकल्पिक शिक्षा
नबीउल्ला रोड
लखनऊ

श्री शरदिन्दु
निदेशक
एस.सी.ई.आर.टी.
लखनऊ

श्री संजय मोहन
निदेशक (बेसिक शिक्षा)
निशातगंज
लखनऊ

प्रो. ए.बी.एल. श्रीवास्तव
चीफ कन्सल्टेंट
तकनीकी अनुसमर्थन समूह
एडसिल, 10-बी, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नयी दिल्ली

बेली मार्ग, एलनगंज, इलाहाबाद-211002 (भारत), दूरभाष : 0532 466742 फैक्स : 0532 466722, E-mail : siemat@vsnl.com

डा. प्रमिला मेनन
सीनियर फेलो
नीपा
17-बी, अरविन्दोमार्ग
नयी दिल्ली

पृष्ठांकन संख्या

प्रिय महोदया

उक्त की एक प्रति आपके सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है ।

भवदीय

(कृष्ण मोहन त्रिपाठी)

सुश्री वृन्दा सरूप,
आई.ए.एस.
राज्य परियोजना निदेशक
उ.प्र. सभी के लिए शिक्षा परियोजना
विद्याभवन, निशातगंज
लखनऊ

NIEPA DC
D12324

LIBRARY & DOCUMENTA
National Institute of Ed
Planning and Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016 D - 12324
DOC, No..... 05-04-2004
Date.....